# राजभवन में इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ

**राजभवन स्थित चीजों के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने पर उस सामान की पूरी जानकारी मिलेगी**

कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ राज्यपाल लेज (सेनि) गुरमीत सिंह ।

देहरादून (एसएनबी)। राजभवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला आयोजित की गई। राज्यपाल लेज (सेनि) गुरमीत सिंह ने कार्यशाला में भाग लिया। राज्यपाल ने राजभवन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया।

यूटीयू द्वारा तैयार किए गए इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम में राजभवन देहरादून और नैनीताल में अवस्थित चीजों (इन्वेंट्री) के लिए क्यूआर कोड तैयार किया गया है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस सामान या इन्वेंट्री की पूरी जानकारी आ जाएगी। इसमें गृह अधिष्ठान अवार्ड, आईटी सेक्शन, लाइब्रेरी, पीडब्ल्यूडी विद्युत एवं सिविल में उपलब्ध इन्वेंट्री को शामिल किया गया है। इससे उस सामान के लाए जाने से लेकर निष्प्रयोज्य होने तक की जानकारी उपलब्ध होगी। कुलपति यूटीयू ओंकार सिंह ने इन्वेन्टरी मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

राज्यपाल ने राजभवन के लिए एआई आधारित स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत पहले चरण में ऑनलाइन गेट पास सिस्टम, ऑनलाइन अपाइंटमेंट तथा ई-इनविटेशन सिस्टम शुरू किया गया है। राजभवन में आने वाले आगंतुक राजभवन की वेबसाइट पर जाकर कहीं से भी ऑनलाइन अप्लाई कर सकेंगे। गेट पर पहुंचते ही वहां लगा कैमरा उनकी पहचान करेगा। इस आधार पर वे राजभवन आ सकेंगे। विभिन्न राजकीय समारोह में राजभवन में आमंत्रित किए जाने वाले लोगों को ई-इनविटेशन प्रेषित किया जाएगा। इसे गेट पर दिखाकर वे राजभवन में प्रवेश कर सकेंगे। कार्यशाला में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन उत्तराखंड विषय पर यूपीईएस के प्रो. संजीव ने प्रस्तुतिकरण दिया। यूपीईएस के प्रो. प्रियरंजन ने रोबोटिक्स के प्रयोग और उसके लाभ की जानकारी दी। कार्यशाला में यूपीईएस के प्रो. मुत्तुकुमार, प्रो. आर एस अय्यर और डा. पद्मा ने एआई के विकास और गवर्नेंस में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि तकनीक को अपनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि एआई ने जीवन के हर पहलू को छुआ है। इसने दैनिक जीवन से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं परिवहन में क्रांति ला दी है। इस अवसर पर सचिव गवर्नर रविनाथ रमन, डीजीपी अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, एडीजी अंशुमान सिंह, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के सचिव, विश्वविद्यालयों के कुलपति, स्टेट एनआईसी ऑफिसर आशेष अग्रवाल व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।